ISSN: 2456–5474 RNI No.UPBIL/2016/68367 Vol.-5* Issue-7* September- 2020
Innovation The Research Concept

विवाह पर लॉक डाउन का प्रभाव एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

A Sociological Study of The Effect of Lock Down on Marriage

Paper Submission: 12/09/2020, Date of Acceptance: 25/09/2020, Date of Publication: 26/09/2020

फरहत मंसूरी
सहायक प्राध्यापक,
समाज शास्त्र विभाग,
शासकीय महाविद्यालय,
बिछुआ, छिन्दवाड़ा,
म0प्र0, भारत

सारांश

प्रस्तुत शोध–पत्र से स्पष्ट होता है कि भारत में हुए लॉक डाउन के कारण विवाह के आयोजन में परिवर्तन आया है यह परिवर्तन मध्यम वर्ग एवं निम्न वर्ग के परिवारों के लिए सकारात्मक है क्यूंकि शासन के आदेश के कारण विवाह के आयोजन में अनावश्यक भीड़ को एकत्रित नही करना है जिसके कारण विवाह समारोह बहुत ही सादगी से सम्पन्न किये जा रहे है यदि ये सादगी भविष्य में भी अपनाई जाती है तो सादगी से विवाह करना आगे चलकर एक परम्परा बन जाएगी जिसके कारण कोई भी पिता को बेटी बोझ नही लगेगी।

It is clear from the presented paper that there has been a change in the organizing of the marriage due to the lock-down in India, this change is positive for the middle class and lower class families because the order of the government gathered unnecessary crowd in organizing the marriage. Do not have to, because of which the marriage ceremonies are being done with great simplicity. If this simplicity is adopted in future also, then marrying with simplicity will become a tradition in the future due to which no father will be burdened by the daughter.

मुख्य शब्द : विवाह, लॉक डाउन, कोरोना वायरस, वर, वधु।
Marriage, Lock Down, Corona Virus, Groom, Bride.

प्रस्तावना

प्रस्तुत शोध–पत्र में विवाह पर लॉक डाउन का प्रभाव एक समाजशास्त्रीय अध्ययन किया गया है। वर्तमान समय में नोवल कोरोना वायरस जिसको विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोविड 19 का नाम दिया है के कारण सम्पूर्ण भारत में 22 मार्च 2020 को जनता कर्फ्यू और उसके बाद लॉक डाउन कर दिया गया है। यह लॉक डाउन चार चरणों में किया गया है, वर्तमान समय में भारत में चतुर्थ श्रेणी का लॉक डाउन 31 मई 2020 तक है। इस लॉक डाउन में समाज की विभिन्न महत्वपूर्ण संस्थाओं को प्रभावित किया है जैसे धार्मिक संस्था, परिवार, नातेदारी, विवाह। हमने इस शोध–पत्र के माध्यम से केवल समाज की वैवाहिक संस्था पर पड़ने वाले प्रभावों का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन किया है। लॉक डाउन ने जहाँ कई नुकसान किये है वही कुछ जगह में सकारात्मकता भी दिखाई दी है जैसे भारत में हुए इस लॉक डाउन के कारण संपन्न होने वाले विवाहों में परिवर्तन आया है जहां पर पहले विवाह में भव्य आयोजन किये जा रहे थे वहां अब केवल 20 से 50 लोगों में या इटरनेट के माध्यम से विवाह को सम्पन्न किया जा रहा है, जिससे समाज में रहने वाले एक बड़े वर्ग से आर्थिक बोझ कम हुआ है। लॉक डाउन समाप्त होने के बाद समाज इस रीति से विवाह सम्पन्न करवाता है, तो यह आगे चल कर परम्परा बन जाएगी।

शोध की अध्ययन पद्धति

प्रस्तुत शोध–पत्र में अध्ययन से संबंधित तथ्यों को एकत्रित करने के लिए फोन के माध्यम से 50 उत्तरदाताओं से संपर्क कर साक्षात्कार लिया गया एवं द्वितीयक स्त्रोतो का भी प्रयोग किया गया है।

अध्ययन का उद्देश्य

1. विवाह से तात्पर्य,

2. जिन वर वधु का विवाह लॉक डाउन में हुआ है उनसे जानकारी प्राप्त करना,
3. लॉक डाउन के कारण स्थगित हुए विवाह की जानकारी प्राप्त करना,
4. लॉक डाउन के कारण विवाह पर पड़ने वाले प्रभावों की जानकारी प्राप्त करना।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है तथा सामाजिक संस्थाएं, व्यक्ति के सामाजिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक पक्षों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करती है मानवीय इच्छाओं की पूर्ति ने ही विवाह नामक संस्था को जन्म दिया और विवाह ने ही परिवार तथा नातेदारी को बनाया। कुछ समाजों में विवाह एक धार्मिक संस्था है, तो कुछ में कानूनी एवं सामाजिक समझौता। अतः विवाह दो विषम लिगियों को पारिवारिक जीवन में प्रवेश करने की सामाजिक, धार्मिक एवं कानूनी स्वीकृति है।

कोलापुर के रहने वाले संजय शेलार की बेटी की शादी 18 मार्च को थी उन्होंने बी0बी0सी0 मराठी को बताया–हम दोनो ही लड़के और लड़की वालो ने मिलकर 3000 के करीब आमंत्रण पत्र बाटे थे और हमने जोर दे कर सभी को कहा था कि वे शादी में जरूर आए लेकिन कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए हमने सारे आयोजन स्थगित करने का फैसला लिया और जिन लोगो को आमंत्रित किया था उनसे क्षमा मांगते हुए अपील की कि मेरी बेटी के विवाह के आयोजन में न आए।

मुम्बई के रिज़वान शेख ने बी0बी0सी0 को बताया – शादी और रिसेप्शन दोनों ही 1 अप्रैल को था, वलीमा 3 अप्रैल को तय था लेकिन कोरोना वायरस के कारण लॉक डाउन के चलते सरकार की गाईडलाइन पर हमने बहुत कम लोगों की मौजूदगी में यह शादी की तथा रिसेप्शन और वलीमें का आयोजन रद्द कर दिया।

सिंगापुर के एक दम्पत्ति ने विडियों कॉल के जरिए शादी की क्योंकि वो कुछ दिनों पहले ही चीन के वूहान से लौटे थे।

पटना के फूलवारी शरीफ में दुल्हन बनी सदफ नसरीन ने उत्तर प्रदेश के साहिबाबाद में दुल्हा बने दानिश रजा के साथ ऑनलाईन निकाह किया।

तालिका क्र. 1

लॉक डाउन के कारण स्थगित विवाह की जानकारी प्राप्त करना

क्र.	विवरण	हां	नही	योग
1	क्या आप का विवाह लॉक डाउन में स्थगित हुआ है	60 प्रतिशत	40 प्रतिशत	100 प्रतिशत

अध्ययन के दौरान फोन के माध्यम से लिए गए साक्षात्कार से जानकारी प्राप्त हुई है कि लॉक डाउन के कारण 60 प्रतिशत लोगों का विवाह स्थगित किया गया है। साक्षात्कार में उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया कि देश में होने वाले लॉक डाउन के कारण हमने हमारे समस्त विवाह के आयोजन को स्थगित कर दिया है।

वर्तमान समय में भारत में लॉक डाउन है अतः इस लॉक डाउन के कारण समाज में सादगी से 20 से 50 लोगों की उपस्थिति में विवाह सम्पन्न हो रहे है, जिसकी वजह से विवाह में होने वाले अनावश्यक खर्च से बचा जा रहा है, लेकिन साथ ही साथ विवाह से जुड़े व्यवसायों का बड़ा नुकसान हुआ है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध–पत्र से स्पष्ट होता है कि भारत में हुए लॉक डाउन के कारण विवाह के आयोजन में परिवर्तन आया है यह परिवर्तन मध्ययम वर्ग एवं निम्न वर्ग के परिवारों के लिए सकारात्मक है क्योंकि शासन के आदेश के कारण विवाह के आयोजन में अनावश्यक भीड़ को एकत्रित नही करना है जिसके कारण विवाह समाहरो बहुत ही सादगी से सम्पन्न किये जा रहे है यदि ये सादगी भविष्य में भी अपनाई जाती है तो सादगी से विवाह करना आगे चलकर एक परम्परा बन जाएगी जिसके कारण कोई भी पिता को बेटी बोझ नही लगेगी।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. *ओझा. एस. के, "यू.जी.सी.नेट, समाजशास्त्र", अरिहन्त पब्लिकेशन लिमेंटेड. मेरठ।*
2. *बघेल डी .एस, "नातेदारी, विवाह और परिवार का समाजशास्त्र", कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल।*
3. *तोमर, देवेन्द्रपाल सिंह, 2005–"सामाजिक शोध एवं साख्यिकी", विश्व भारती पब्लिकेशन, प्रथम संस्करण, नई दिल्ली।*
4. *शर्मा, विरेन्द्र प्रकाश, 2013–रिसर्च मेथाडालॉजी, 8वां संस्करण, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।*
5. *के.एम. कपाडिया, भारत में विवाह एवं परिवार, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।*
6. *कपाडिया, भारत में विवाह एवं परिवार, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।*
7. *htttps://www.bbc.com*